गाय चराने मत जाना अब,
गाय खाएगी रुपया ही
खा चुकी है सौ सौ करोड़
प्यार नहीं तुमको मिलेगी
नफरत की आग
वक्त नहीं है पूजा करने,
गीत गाने का,सब दौड़ रहे हैं
अणुबम लाने को
मत आना अब कान्हा प्यारे
कलयुग में भारत भूमि पर
मत आना रे कान्हा प्यारे।

—मो0—9495309354

(हम सबका चाँद)

—सुनील सौरम

चाँद हमारा है
चांद तुम्हारा है
चाँद है हम सबका।
चाँद से होती है ईद
चाँद से होती है करवाचौथ।
चाँद ही है भगवान बुद्ध के
ज्ञान का प्रकाश
चाँद ही है ईद का संदेश
हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई
हम सब भाई भाई
गले से गले मिलकर लोग
दुनियाँ को देते भाईचारे के सन्देश।
चाँद के सहारे करवाचौथ से
परिवार को मिलता सुख चैन का संदेश।
पति की दीर्घायु की कामना से
हर घर को सुखमय बनाने का
चाँद का है उद्देश्य।
इसलिये—हर कोई कहता
चाँद है अमृतदायी
चाँद सिर्फ हमारा तुम्हारा नहीं
वरन है हम सबका
चाँद से सीखो—
जाति, धर्म,सम्प्रदाय के भाव से
ऊपर उठना
दुनियाँ के लिये
दुनियाँ का बनो
तो तुम भी चाँद हो जाओगे
दुनियाँ के लिये
दुनियाँ के लिये
दुनियाँ के लिये।

—मो0—9431085007

(पेड़)

—डॉ0 हेमलता पंत

आओ मिलकर पेड़ लगाएं
धरती का अस्तित्व बचाएं।
जल, जंगल और बयार
होते हैं भू का श्रृंगार।
मिले पेड़ पौधों से हमको
जीवन दायिनी प्राण वायु।
और इन्हीं से मिलती हमको
निज अनुकूल जलवायु।
पेड़ पौधे अनाज फल देकर
शांत भूख करते हैं मन।
पेड़ सहायक बनते करते
निर्मित अपने सभी भवन।
क्लोरोफिल से पेड़ दिया करते
हैं हमको निज भोजन।
पेड़ कई पक्षियों का आश्रय
बनते उनका गृह सदन।
पेड़ों पर ही आश्रित होता
दूसरा, तीसरा, चौथा उपभोक्ता।
पेड़ ही हैं खाद्य,जल एवम
वायु के मूल्य नियोक्ता।
पेड़ किया करते हैं जग का

(ज्ञान, धन, विश्वास)

—डॉ0 सुभाष ना0 भालेराव "गोविंद"

ज्ञान, धन और विश्वास
ये कहानी इन तीन दोस्तों की
पहला दोस्त ज्ञान दूसरा धन
और तीसरा विश्वास
विश्वास का स्वरूप व भरोसा ही था
जो इन तीनों में अटूट प्यार था
वक्त ने इन तीनों को अलग किया
सभी दोस्तों ने एक दूसरे से सबाल किया,
यारो अब हम कब मिलेंगे
ज्ञान ने कहा– मैं मंदिरों, मस्जिदों,
गुरुद्वारों, गिरिजाघरों में सारे धर्मों
के प्रवचनों में मिलूँगा
धन ने कहा– यारो मैं तो अमीरों की
तिजोरियों में बंद मिलूँगा
अमीरों के घरों में ठाट–बाट से रहूँगा
पर बन्द मिलूँगा
दोनों दोस्तों की बातें सुनकर
विश्वास चुपचाप खड़ा होकर
विलाप कर रोने लगा
विश्वास तुम्हें क्या हो गया है?
क्यों रो रहे हो? कुछ देर बाद
विश्वास बोला– दोस्तो मैं जब भी किसी के
पास जाऊँगा, वापस नहीं लौटूँगा
तुम दोनों से बिछुड़ जाऊँगा।

—मो0—8989598860

(कोरोना)

—मोहन लाल मिश्र "धीरज"

बौद्ध धर्म का अनुयायी
जब हिंसा अपनाता है।
बुहान लैब में निर्मित कर
कोरोना खूब छिपाता है।
चाइना मेड वायरस से
इटली, स्पेन थर्राया है।
अमेरिका, ब्रिटेन सहित
सकल विश्व घबराया है।
ये नही देखता जाति पाति
न देखे पंथ और धर्मी।
रोकथाम हित संकल्पित है
कोरोना वारियर हर कर्मी।
गाइड लाइन का पालन कर
कोरोना दूर भगाना है।
टीका लगवा कर सबको
भारत को जिता दिखाना है।
जो लगवा नहीं रहे टीका
उनको भी तो समझाना है।
जो व्यर्थ भ्रम फैलाते हैं
उनको संज्ञान कराना है।
उठो पार्थ जनहित में अब
तुमको गांडीव उठाना है।
अदृश्य कोरोना से मिलकर
हर मानव प्राण बचाना है।

—मो0—9451110945

(कन्हाई से)

—डॉ0 रंजित एम

मत आना रे कान्हा प्यारे
कलयुग की भारत भूमि पर
फूल नहीं मिलेगा तुमको
पत्थर ही मिल पायेगा।
तुमको वश में करने को
अनशन करेंगे राजा लोग
पास ही होगी काली बिल्ली जो
मार डालेगी तुम्हें गोली से
मंदिर मंदिर मत जाना तुम
भगा दिया है तुमको मंदिरों से
तुम्हारे प्रतीक के रूप में रखा
जा चुका है विज्ञापन।

(इस अंक के नए क्षितिज)

सम्पादकीय	–	डॉ0 सतीश चंद्र शर्मा 'सुधांशु'
गीत गृह	–	आचार्य भगवत दुबे, डॉ0 ब्रजेश कुमार मिश्र, मनोज मानव, पंकज मिश्र 'अटल', शिवानंद सिंह 'सहयोगी'
गजल गेह	–	आरती पुण्डीर, ओंकार सिंह 'विवेक', भाऊराव महंत, गाफिल स्वामी, राजीव श्रीवास्तव, सुरेन्द्र 'नाज', रामकृष्ण वि0 सहसबुद्धे, सिद्धेश्वर
सागर पार से	–	निशान रेजीनिशा, सुनालि गुनवर्धन, दुलकान्ति समर सिंह, देवी नागरानी, लावण्या दीपक शाह
सरहद पार से	–	डॉ0 घनश्याम परिश्रमी, प्रो0 देवीपंथी, जयप्रकाश चैनवाला, ज्योति अग्रवाल, माया पौडेल, लक्ष्मण नेवटिया
अबधी ओसारा	–	श्री नारायण लाल 'श्रीश'
बाल वीथिका	–	गौरीशंकर वैश्य 'विनम्र', शालिनी खरे
व्यंग्य व्यूह	–	डॉ0 प्रताप मोहन भारतीय, प्रवीण अग्रवाल 'नादान'
छंदछाँव	–	नीरज कुमार सिन्हा, पं0 ज्वाला प्रसाद शांडिल्य "दिव्य", कामिनी श्रीवास्तव 'कीर्ति', डॉ0 प्रवीण कुमार श्रीवास्तव 'प्रेम', जगदीश चन्द्र पाण्डेय, डॉ0 रमेशचन्द्र शर्मा, अवजीत 'अवि', वीणा शर्मा वशिष्ठ
हाइकु हाउस	–	प्रदीप कुमार दाश 'दीपक', नरेंद्र परिहार, डॉ0 मिथिलेश दीक्षित
काव्य कुंज	–	डॉ0 विपिन गुप्त, डॉ0 सतीशचंद्र "भगत", साधना त्रिपाठी, डॉ0 माया शुक्ला, डॉ0 विष्णु शास्त्री 'सरल', डॉ0 विद्यासागर मिश्र "सागर", अनुराग दीक्षित, अभिनंदन अभि 'रसमय', डॉ0 रवि शर्मा 'मधुप', राजेश डोभाल 'राज', राजकुमारी वी0 अग्रवाल, डॉ0 सूर्या बोस, चाँदनी समर, पैजू के0, दिनेश चन्द्रप्रसाद "दीनेश", डॉ0 संगीता सक्सेना, डॉ0 सुषमा चौधरी, विजय कुमार सक्सेना, त्यागी अशोका कृष्णम, दीपक गोस्वामी 'चिराग', अतुल कुमार शर्मा, ज्ञान प्रकाश 'राही', चंद्रप्रभा, डॉ0 नीलू समीर, सुमन चौधरी, डॉ0 संजय रामन 'कैसर', डॉ0 निम्मी ए0 ए0, बृजेश आनंदराय, डॉ0 विजय 'निर्बाध', आशा सिंह, पूनम मिश्रा 'पूर्णिमा', सागर सापकोटा, डॉ0 अविनाश पांडेय, अनुभूति गुप्ता, राजेन्द्र निशेश, डॉ0 स्मिता मिश्रा, डॉ0 संगीता परमानंद, डॉ0 कैलाश चन्द्र शर्मा "शंकी", डॉ0 जयभगवान शर्मा, विष्णु शास्त्री, मोर मुकुट सिंह 'वैरागी', दानवीर सिंह राजपूत, डॉ0 अमित कुमार दीक्षित, माधवी मिश्रा, उदयप्रताप 'राज', अनुज पांडेय, अंकुश्री, आशीष कुमार दुबे, अंकुर गोयल, सुधा चौधरी 'राज', वर्तिका गुप्ता, शान्ती तिवारी, जगदीश चन्द्र पांडेय, डॉ0 सुभाष नारा0 भालेराव 'गोविंद', मोहनलाल मिश्र 'धीरज', डॉ0 रंजीत एम0, सुनील सौरभ, डॉ0 हेमलता पंत, डॉ0 रुनू बरुआ 'रागिनी', निहालचन्द्र शिवहरे, सरिता गुप्ता, रंजीता श्रीवास्तव, डॉ0 सुधा शर्मा "पुष्प", डॉ0 पायल लिल्हारे, डॉ0 कीर्ति वल्लभ शकटा, डॉ0 खेम सिंह डहेरिया, डॉ0 संतोष कुमार डहेरिया, डॉ0 सविता डहेरिया, मन जीत कौर 'मीत',सविता गर्ग 'सावी', रेनू शब्दमुखर, सारिका ठाकुर, डॉ0 के0 प्रिया
नवांकुर नीड़	–	कु0 कौशिमी डहेरिया, पुनीत वैष्णव, निलय कुमार, उत्कर्ष उपाध्याय, कु0 संस्कृति चौधरी
गद्य गाँव	–	डॉ0 सिकन्दरलाल, डॉ0 मनोज कुमार सिंह, प्रो0 अरविंद नाथ तिवारी
	–	समाचार प्रभाग, संरक्षक/आजीवन सदस्य, परिचय एवं फोटो आजीवन सदस्य
	–	कथोपकथन–7

iii. Formula

(3x1=3)

button cancels the typing task. _____

e contents of the cell by clicking in the formula bar _____

वर्ष - 6
अंक - 27

ISSN:2554-9630

अक्टूबर/दिसम्बर-2021

के० बी० हिंदी सेवा न्यास (पंजी०)

की प्रस्तुति

'अहं राष्ट्री संगमनी वसूनाम्'

नये क्षितिज

विशुद्ध साहित्यिक त्रयमासिक

प्रथम संरक्षक : डॉ0 मिथिलेश दीक्षित साहित्य भूषण

प्रधान सम्पादक : डॉ0 सतीश चंद्र शर्मा "सुधांशु"
मो0–8394034005
ईमेल– dr.sudhanshukavi2015@gmail.com

सम्पादक : डॉ0 नितिन सेठी
मो0– 9027422306
ईमेल– dr.nitinsethi28@gmail.com

प्रकाशक : शुभम् पब्लिकेशन, कानपुर (उ. प्र.)

कम्प्यूटर डिजाइनिंग : विष्णु ग्राफिक्स, कानपुर

मुद्रक : जी. के. फाइन आर्ट्स, नई दिल्ली–92

सम्पादकीय कार्यालय : "बाबू कुटीर" ब्रह्मपुरी पिंडारा रोड बिसौली – 243720
बदायूँ (उ0 प्र0), मो0– 8394034005

परामर्शदाता मंडल : डॉ0 रामसनेही लाल शर्मा "यायावर" साहित्य भूषण, सुरेश बाबू मिश्र साहित्य भूषण, आचार्य भगवत दुबे साहित्य भूषण, ओमप्रकाश "अडिग", शिवानंद सिंह सहयोगी।

क्षेत्रीय प्रतिनिधि : डॉ0 संजय रामन, तमिलनाडु, मो0 6381710754, यशपाल निर्मल, जम्मू कश्मीर, मो0 7889357784, राजेश डोभाल 'राज', उत्तराखंड, मो0–9410391410, बैजू के0,–मो0–9656398746, केरल मो0 आशीष कुमार साव, प0 बंगाल, मो0 9748338466, डॉ0 अमित कुमार दीक्षित, प0 बंगाल, मो0 9003238025

सहयोग : 1 प्रति– 80/–, वार्षिक– 300/–, पंचवर्षीय– 1200/–, आजीवन– 3000/–, संरक्षक– 6000/–

रचनाकारों के विचारों से सम्पादक मंडल का सहमत होना आवश्यक नहीं है। प्रकाशन /सम्पादन अव्यवसायिक एवम् अवैतनिक। विवादों का न्याय क्षेत्र बदायूँ ही होगा।

3:F9 ii. Digits iii. Formula

True or False. (3x1=3)

ing on the enter button cancels the typing task

के०बी० हिंदी सेवा न्यास (पंजी०) के मुख्य संरक्षक

इन्द्रजीत शर्मा

जन्म : 1 अक्टूबर 1960
शिक्षा : एम.ए. (हिंदी, अँग्रेजी)
माता : स्व. प्रकाशवन्ती शर्मा
पिता : स्व.पंडित तिलक राज शर्मा
पत्नी : श्रीमती अंजु शर्मा
सम्मान :
1. ब्रिटेन की संसद 'हाउस ऑफ कॉमन्स' द्वारा 2019 में उत्कृष्ट सामाजिक सेवा हेतु 'भारत गौरव' सम्मान से सम्मानित किया गया।
2. यू.एस.ए. के राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा न्यूयार्क में उत्कृष्ट कार्यों हेतु न्यूयार्क के मेयर द्वारा 'Citation of Honor' से सम्मानित।
3. गाँधी पीस फाउंडेशन नेपाल द्वारा "महात्मा गाँधी ग्लोवल अवार्ड–2020"से सम्मानित ।
4. भारत,कनाडा द्वारा सामाजिक,शैक्षिक एवम जनहित कार्यों हेतु अनेक सम्मानों से सम्मानित।

व्यवसाय : ऑटोमोबाइल ,हार्डवेयर सहित विभिन्न उद्योग ।
कार्यक्षेत्र : धार्मिक, शैक्षिक सामाजिक एवम साहित्यिक।

धार्मिक कार्य : दिल्ली में भगवान शिव का न्यूयार्क में भगवान कृष्ण का भव्य मंदिर निर्माण।गुरुद्वारे में नियमित जाना व सेवादार का कार्य करना।हिंदी की "गुरु ग्रंथ साहिब"की सैकड़ों प्रतियाँ दान।

शैक्षिक कार्य : पंडित तिलकराज शर्मा ट्रस्ट के माध्यम से
- एक पुस्तकालय,युवाओं को मुफ्त प्रशिक्षण हेतु एक कम्प्यूटर केंद्र,महिलाओं हेतु एक सिलाई केंद्र की स्थापना।
- 1995 में न्यूयार्क के मेयर को न्यूयार्क पब्लिक लाइब्रेरी हेतु भारतीय संस्कृति की हजारों पुस्तकें दान।
- हिंदी के उन्नयन एवम संबर्द्धन हेतु विभिन्न विषयों की अनगिनत पुस्तकों का वितरण।
- एन0वाई0पी0एल0 हेतु 100 से अधिक पुस्तक रैक प्रदान।
- कई एन0सी0सी0 शिविरों का आयोजन एवम सहायता।

सामाजिक कार्य:
- एक फिजियोथेरेपी क्लीनिक व एक मुफ्त औषधालय।
- वरिष्ठ नागरिकों हेतु एक मनोरंजन केंद्र जिसमें 200 से अधिक वरिष्ठ नागरिक सदस्य हैं।
- निर्धन कन्याओं की शादी सम्पन्न कराना।अब तक 100 से अधिक निर्धन कन्याओं की शादी करा चुके हैं।यह क्रम निरन्तर जारी है।
- गौशाला हेतु टीन शेड का निर्माण।
- धार्मिक नगरी हरिद्वार में एक धर्मशाला का निर्माण ,जिसमें रहने व भोजन की निशुल्क व्यवस्था।
- इसके अतिरिक्त समय–समय पर कई शैक्षिक ,धार्मिक ,साहित्यिक एवम सामाजिक संस्थाओं को विभिन्न प्रकार की सहायता प्रदान करना।

सम्पर्क : दिल्ली– 38 39–40
पं0 तिलकराज शर्मा मार्ग, त्री नगर, दिल्ली–110035
यू0एस0ए0– 129–15 101 एवेन्यू,रिचमंड हिल न्यूयार्क 114–19 (यू0एस0ए0)
मो0– +1(917)273–9744

वितरक
शुभम् पब्लिकेशन
3ए/128, हंसपुरम्, कानपुर–208021 (उ.प्र.)
संपर्क : 9415731903, 9452971407
E-mail : shubhampublicationskanpur@gmail.com

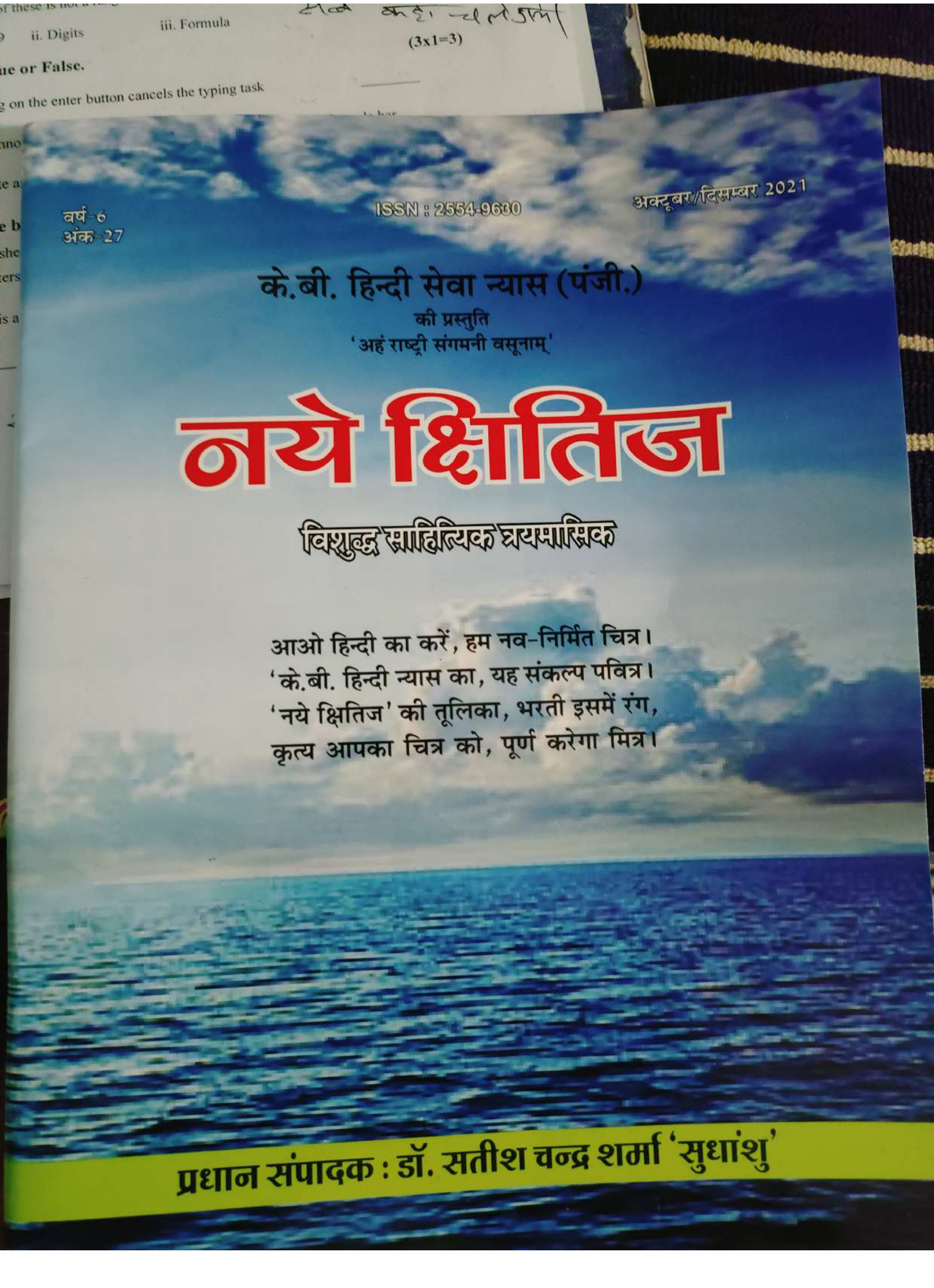

वर्ष-6
अंक-27

ISSN : 2554-9630

अक्टूबर/दिसम्बर 2021

के.बी. हिन्दी सेवा न्यास (पंजी.)

की प्रस्तुति

'अहं राष्ट्री संगमनी वसूनाम्'

नये क्षितिज

विशुद्ध साहित्यिक त्रयमासिक

आओ हिन्दी का करें, हम नव-निर्मित चित्र।
'के.बी. हिन्दी न्यास का, यह संकल्प पवित्र।
'नये क्षितिज' की तूलिका, भरती इसमें रंग,
कृत्य आपका चित्र को, पूर्ण करेगा मित्र।

प्रधान संपादक : डॉ. सतीश चन्द्र शर्मा 'सुधांशु'